प्रेस-विज्ञप्ति

दिनांक 19/7/17 को जमशेदपुर वीमेन्स कॉलेज के सभागार में व्याख्यान माला का आयोजन 10 बजे से लेकर 12 बजे तक किया गया। गाँधी के अर्थनीति, राजनीतिक चिन्तन, गाँधी दर्शन एवं इतिहास चिन्तन पर व्याख्यान माला प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर भूतपूर्व प्राध्यापक, भागलपुर ~~गांधीचिन्तन पीस पूर्व~~ सांसद डॉ० रामजी सिंह, डॉ० राकेश मिश्रा सहायक प्राध्यापक, गांधीयन पीस स्टडीज, डॉ० एन० पी० मोदी (विभागाध्यक्ष गाँधीयन पीस स्टडीज, डॉ० मनोज कुमार (डीन समाजशास्त्र & मानविकी) अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, डॉ० मिथिलेश (M.U.F.E सेन्टर फॉर सोशल वर्क) उपस्थित थे। प्राचार्या द्वारा स्वागतभाषण दिया गया। डॉ० राकेश मिश्रा ने इतिहास-चिन्तन पर प्रकाश डाला। डॉ० एन० पी० मोदी ने निःशस्त्रीकरण के संदर्भ में नेलसन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग, आंग सू के जीवन के संदर्भ से जोड़ कर विचार प्रस्तुत किए। डॉ० रामजी सिंह ने गाँधी जी के विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न चिन्तन धारा पर व्याख्या प्रस्तुत की। युद्ध की भयावह स्थिति का वर्णन करते हुए। रामकृष्ण परमहंस, विवेकानन्द और गाँधी के विचारों से अवगत कराया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन में, तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ० मनोज कुमार ने किया। रिपोर्टियर डॉ० पुष्पा कुमारी थी। चम्पारण के सौ वर्ष के उपशीर्षकों पर निम्न छात्राओं ने पत्र पढ़ा - मोहिनी, ज्योति रजक, पिंकु कुमारी, निधि सिन्हा, शाइस्ता प्रवीन ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ० काकुली नासाक के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। समापन सत्र में प्राचार्या डॉ० पूर्णिमा कुमार ने पुष्प गुच्छ द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। 2 से 3 बजे तक यह सम्पन्न हुआ। प्राचार्या ने इस अवसर पर गाँधी जी से संबंधित बातों को रखा। गाँधीयन स्टडीज की कोर्डिनेटर डॉ० रत्ना मित्रा के द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया। डॉ० मिथिलेश ने सत्याग्रह के मर्म पर प्रकाश डाला। डॉ० कुमारी भारती के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का समापन 'रघुपति राघव राजा राम' भजन से किया गया। श्री सनातन दीप के छात्रों द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन श्रीमती नूपुर एस० मित्रा ने किया।

इस अवसर पर डॉ० बीना लकड़ा, डॉ० मुदिता चन्द्रा, डॉ०, रेना झा, डॉ० किश्वर आरा, डॉ० काकली नाथ, डॉ० रिज़वाना परवीन, श्रीमती अमृता कुमारी, डॉ० चेतना, श्वेता एवं इतिहास, राजनीतिशास्त्र, दर्शन शास्त्र, अर्थशास्त्र एवं हिन्दी की छात्राएं उपस्थित थी